

**B.A. (S-I)/H/2021/CC-II(CBCS) (Sanskrit)**

B. A. 1st Semester (Honours) Examination, 2021 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Paper : CC-II**

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. অধঃ প্রদত্তেযু প্রশ্নেযু যথারূচি ষট্ প্রশ্নান্ সমাধত্ত। তেযু প্রশ্নদ্বয়মবশ্যং সুরগিরা সমাধেয়ম্।
- নিম্নে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে যেকোন দু'টি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লেখো। 5×6=30
- a) অধস্তাৎ কস্যচিদেকস্য টীকা রচনীয়া।  
নীচের যেকোন একটির টীকা লেখো।  
আরণ্যকম্, শিক্ষা, শতপথব্রাহ্মণম্
- b) যুক্তিপ্রমাণাভ্যাং রামায়ণস্য রচনাকালঃ নির্ণেতব্যঃ।  
যুক্তি ও প্রমাণের দ্বারা রামায়ণের রচনাকাল নির্ণয় করো।
- c) সাংখ্যদর্শনপ্রসঙ্গে সবিস্তরম্ একঃ প্রবন্ধঃ প্রপঞ্চনীয়াঃ।  
সাংখ্যদর্শন প্রসঙ্গে সবিস্তারে একটি প্রবন্ধ রচনা করো।
- d) পাণিনিমুনেঃ, তদ্বিরচিতাষ্টাধ্যায়্যাঃ চ সংক্ষেপেণ পরিচয়ঃ কার্যঃ।  
পাণিনি মুনি ও তাঁর বিরচিত অষ্টাধ্যায়ীর সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।
- e) বৌদ্ধদর্শনে প্রতিপাদিতস্য আর্যসত্যচতুষ্টয়স্য স্বরূপম্ খ্যাপনীয়াম্।  
বৌদ্ধদর্শনে প্রতিপাদিত আর্যসত্যচতুষ্টয়ের স্বরূপ আলোচনা করো।
- f) অদ্বৈতবেদান্তানুসারেণ ব্রহ্মস্বরূপম্ উপস্থাপ্যতাম্।  
অদ্বৈতবেদান্তানুসারে ব্রহ্মস্বরূপ উপস্থাপন করো।
- g) মৎস্যপুরাণস্য সংক্ষেপেণ পরিচয়ঃ প্রদীয়তাম্।  
সংক্ষেপে মৎস্যপুরাণের পরিচয় দাও।
- h) ন্যায়দর্শনান্তর্গতস্য অনুমানপ্রমাণস্য স্বরূপম্ আলোচনীয়াম্।  
ন্যায়দর্শনের অন্তর্গত অনুমান প্রমাণের স্বরূপ আলোচনা করো।

2. अनुप्रियं प्रश्नद्वयं अनुवर्णीत।

निम्ने प्रदत्त प्रश्नशुलिर मध्ये निजेर पछन्द मतो येकोन तिनटि प्रश्नेर उतुर दाओ।

10×3=30

a) ऋग्वेदास्तुर्गतानि संवादसूक्तानि सविस्तरम् आलोचनीयानि।

ऋग्वेदेर अस्तुर्गत संवादसूक्तशुलि सम्पर्के विस्तारित आलोचना करो।

b) रामायणमहाभारतयोः पौर्वापर्यम् विचार्यताम्।

रामायण ओ महाभारतेर पौर्वापर्य विचार करो।

c) टीका रचनीया—‘हरिवंशम्’, ‘कात्यायनः वार्तिकश्च’ च।

टीका लेखो—‘हरिवंश’ एवं ‘कात्यायन ओ वार्तिक’।

d) साहित्यजगति रामायणस्य प्रभावः आलोचनीयः।

साहित्येर जगते रामायणेर प्रभाव आलोचना करो।

e) आस्तिकदर्शनस्य प्रकारान् उल्लिख्य संक्षेपेण वेदान्तदर्शनस्य परिचयः उपस्थापनीयः।

आस्तिक दर्शनेर प्रकारभेद उल्लेख पूर्वक संक्षेपे वेदान्तदर्शनेर परिचय दाओ।

---